तथ्य-पत्र (फैक्ट-शीट) - परिवार नियोजन और प्रजनन क्षमता संकेतक

कुल प्रजनन दर (टीएफआर) - *अपने जीवनकाल में एक महिला से पैदा हुए या संभवत पैदा होने वाले बच्चों की संख्या यदि वह जनसंख्या में आयु-विशिष्ट प्रजनन क्षमता की प्रचलित दर के तहत थी*

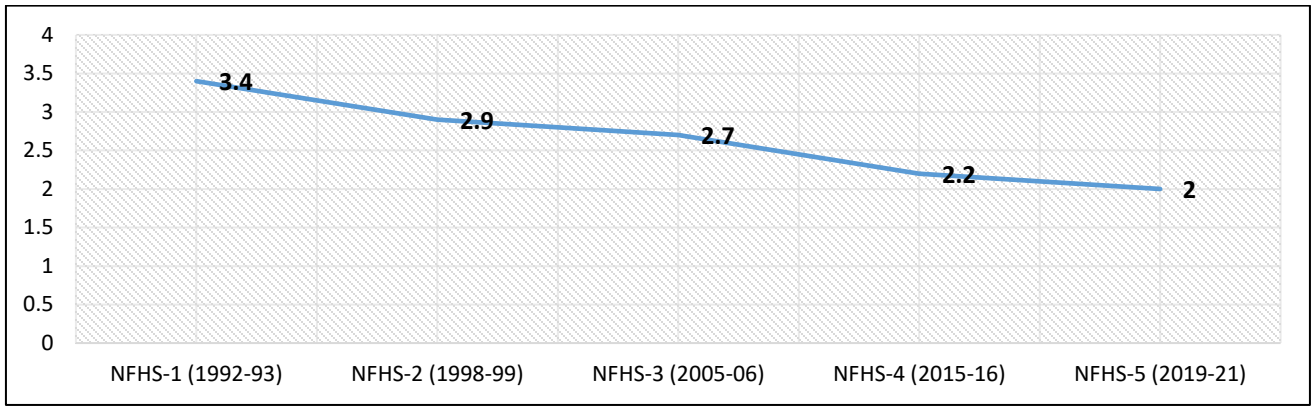

- भारत का टीएफआर 2019-21 में प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे यानी 2.0 पहुँच गया है। ग्रामीण परिवेश में यह 2.1 है, जबकि शहरी परिवेश में यह 1.6 है।
- 31 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में टीएफआर प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है[1]।

बाल विवाह - *20-24 वर्ष के बीच की महिलाओं का प्रतिशत जिनकी शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हुई थी*

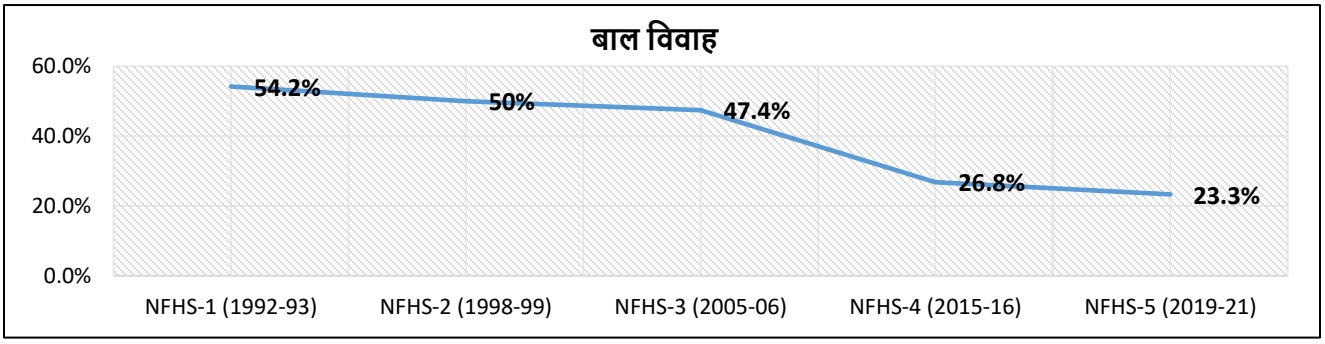

पिछले कुछ वर्षों में बाल विवाह में गिरावट आई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-1 (1992-93) से एनएफएचएस-5 (2019-21) तक यह 54.2% से घटकर 23.3% हो गया है।

किशोरावस्था प्रसव - *15-19 वर्ष की आयु की महिलाएं जिन्होंने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है या उसके साथ गर्भवती हैं*

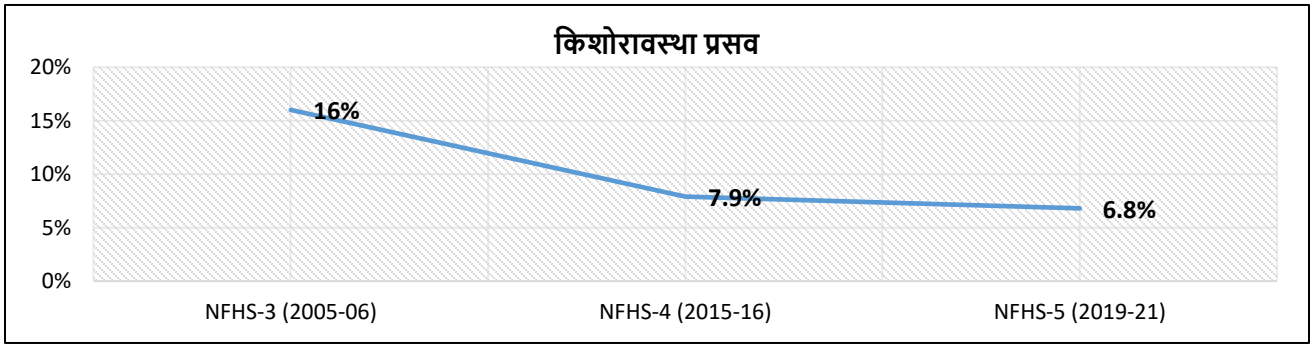

बाल विवाह की तरह, किशोरावस्था प्रसव में भी समय के साथ गिरावट देखी गई है। एनएफएचएस -3 (2005-06) में 16% की तुलना में एनएफएचएस -5 (2019-21) में यह घटकर 6.8% हो गया है।

छोटे जन्म अंतराल - *पिछले प्रसव से 36 महीने से कम का जन्म अंतराल*

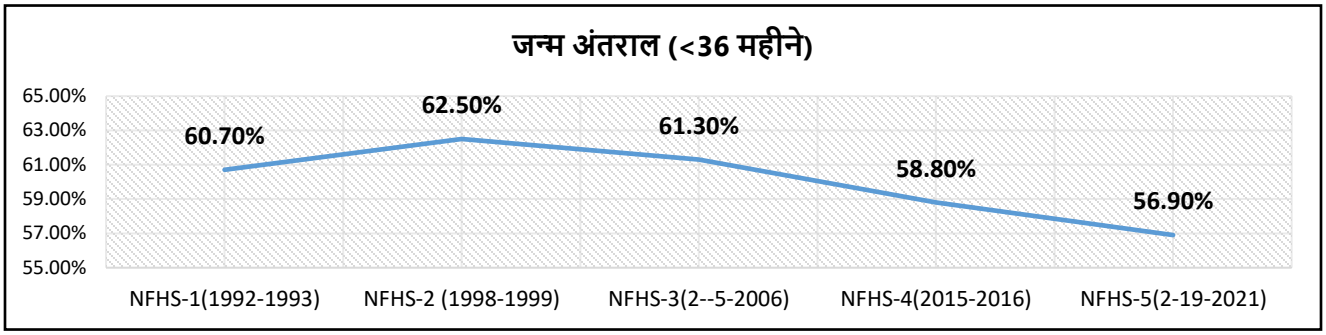

छोटे जन्म अंतराल (<36 महीने) माताओं और नवजात शिशुओं दोनों के लिए स्वास्थ्य जोखिम में वृद्धि से जुड़े हैं। एनएफएचएस-4 (2015-16) के दौरान पिछले प्रसव के 36 महीने से कम समय में 58.8% जन्म हुए।

आधुनिक गर्भनिरोधक प्रचलन दर (एमसीपीआर) - *वर्तमान में 15-49 वर्ष की आयु की विवाहित महिलाओं का प्रतिशत, जो वर्तमान में कम से कम एक आधुनिक विधि का उपयोग कर रही हैं, या जिनका साथी, किसी समय पर, उपयोग कर रहा है। यह संकेतक उपयोगकर्ताओं द्वारा सभी गर्भनिरोधक विधियों को अपनाने को शामिल करता है और प्राकृतिक तरीकों को शामिल नहीं करता है*

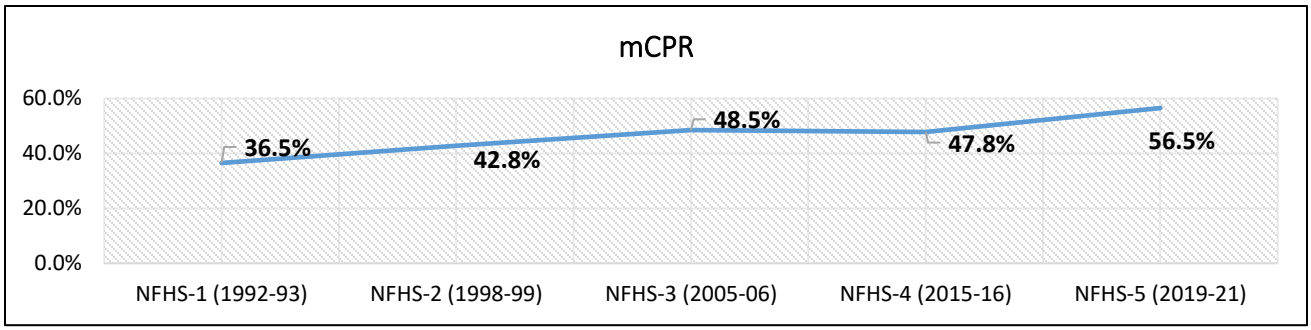

वर्तमान में विवाहित महिलाओं द्वारा आधुनिक गर्भनिरोधक का उपयोग 2015-16 में 47.8% की तुलना में 2019-21 में बढ़कर 56.5% हो गया।

परिवार नियोजन के लिए अपूरित मांग - *गर्भनिरोधक के लिए वर्तमान में विवाहित महिलाओं (15-49 वर्ष) की एक अधूरी आवश्यकता (अंतराल सुनिश्चित करने और सीमित करने के तरीकों दोनों के लिए) का अनुपात*

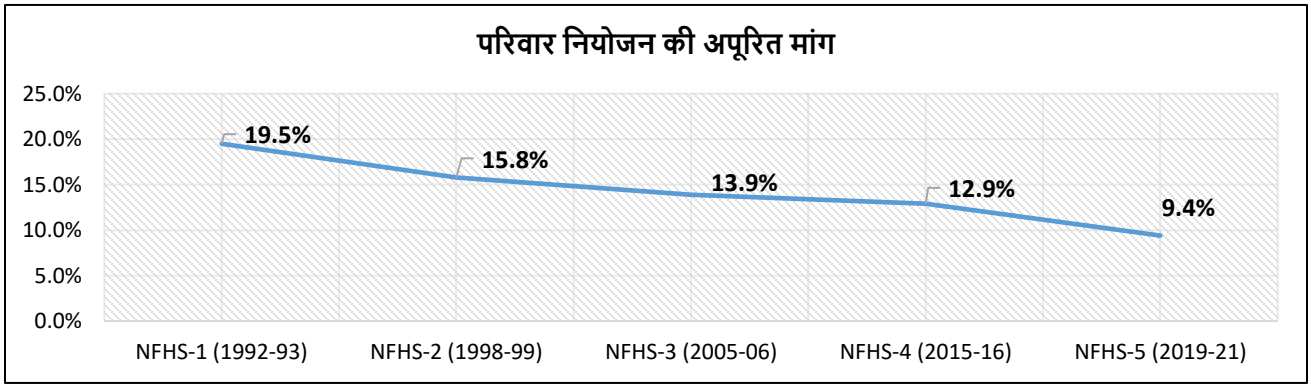

परिवार नियोजन की अधूरी आवश्यकता में पिछले कुछ वर्षों में गिरावट देखी गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-1 (1992-93) से एनएफएचएस-5 (2019-21) तक यह 19.5% से घटकर 9.4% हो गई है।

परिवार नियोजन विधियों का मिश्रण - आधुनिक गर्भनिरोधक प्रचलन दर के भीतर प्रत्येक विधि का अनुपात

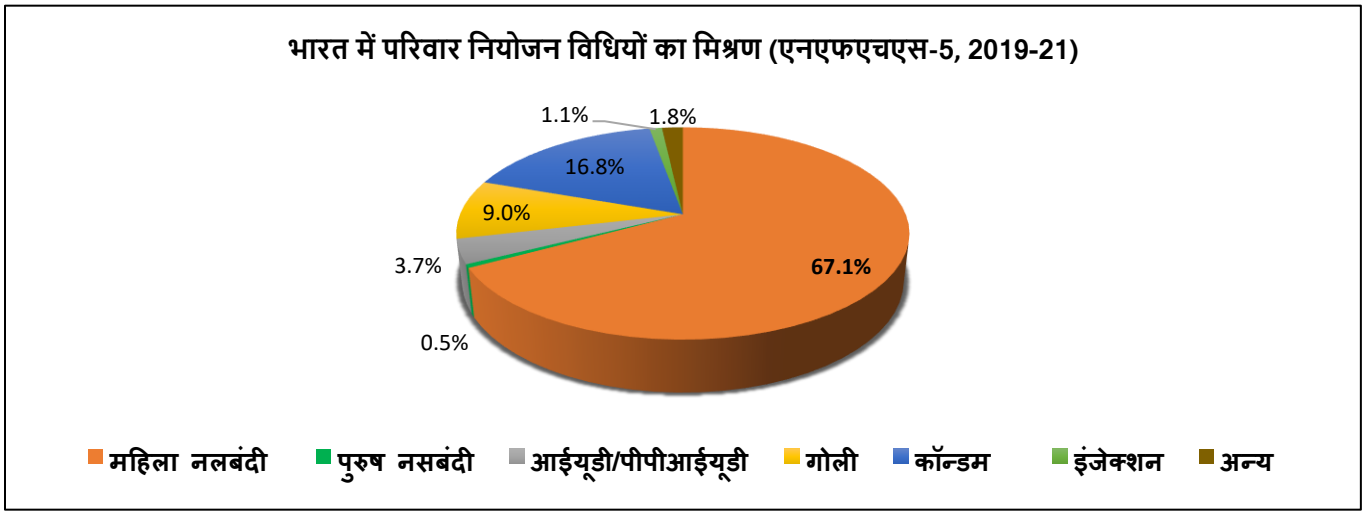

परिवार नियोजन विधियों के मिश्रण से पता चलता है कि आधुनिक विधियों का उपयोग महिलाओं के प्रति विषम है। आधुनिक गर्भनिरोधक उपयोग के भीतर, एनएफएचएस -5 (2019-21) के अनुसार महिला नसबंदी का अनुपात 67% से अधिक है, जो बहुत बड़ा है।

आधुनिक गर्भनिरोधक विधियों के स्रोत के रूप में सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र - *सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र से विधि प्राप्त करने वाले आधुनिक गर्भनिरोधक उपयोगकर्ताओं का अनुपात*

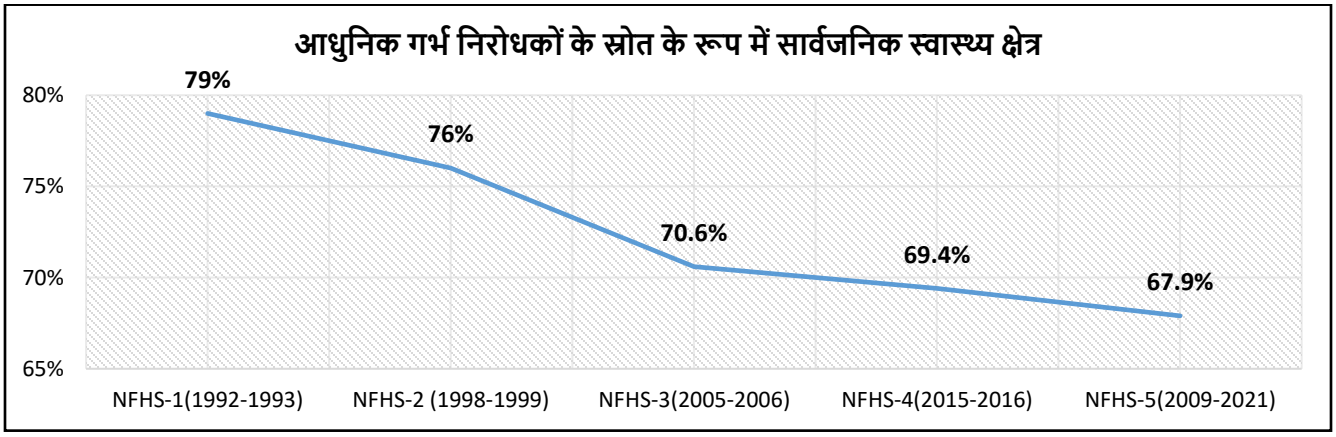

रुझान बताता है कि उपयोगकर्ता आधुनिक गर्भनिरोधक कई स्रोतों से प्राप्त कर रहे हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र पर उनकी निर्भरता समय के साथ कम हो रही है।

[1] International Institute for Population Sciences (IIPS) and ICF. 2021. National Family Health Survey (NFHS-5), India, 2019-21. Mumbai: IIPS. http://rchiips.org/nfhs/NFHS-5_FCTS/India.pdf